कक्षा :- सातवीं

पाठ -2 परमात्मा जो करता है, अच्छा ही करता है।

एक - दो वाक्यों में प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

प्रश्न 1. सुमति कौन था?

उत्तर :- सुमति राजा शूरसेन का मंत्री था।

प्रश्न :-2 सुमति किस बात पर विश्वास करता था?

उत्तर :- सुमति आस्तिक था। वह परमात्मा के बारे में विश्वास करता था कि - परमात्मा जो करता है, अच्छा ही करता है।

प्रश्न 3. राजा शूरसेन शिकार खेलने कहाँ गया?

उत्तर :- राजा शूरसेन शिकार खेलने के लिए घोड़े पर सवार होकर मंत्री और बहुत से सेवकों के साथ जंगल में गया था।

प्रश्न 4. राजा ने मंत्री से बदला लेने के लिए क्या उपाय सोचा?

उत्तर :- राजा शूरसेन ने मंत्री से बदला लेने के लिए प्यास का बहाना बनाकर मंत्री को कुएँ से जल लाने को कहा और जैसे

ही मंत्री जल निकालने के लिए नीचे झुका तो राजा ने मंत्री को कुएँ में धकेल दिया।

प्रश्न 5. राजा ने अपने घोड़े को कहाँ बाँधा?

उत्तर :- राजा शूरसेन ने अपने घोड़े को वृक्ष से बाँध दिया।

प्रश्न 6. घोड़े को वृक्ष के साथ बँधा देखकर सैनिकों ने क्या सोचा?

उत्तर :- घोड़े को वृक्ष के साथ बँधा देखकर सैनिकों ने सोचा कि यहाँ निकट ही इसका मालिक अवश्य होगा।

प्रश्न 7. सैनिक शूरसेन को क्यों पकड़ना चाहते थे?

उत्तर :- सैनिक राजा शूरसेन को इसलिए पकड़ना चाहते थे ताकि बलि चढ़ा सकें।

प्रश्न 8. राजा के प्राण कैसे बचे?

उत्तर :- जब राजा की बलि दी जाने लगी तो दूसरे राजा की दृष्टि उसकी कटी हुई अंगुली पर पड़ी।उसने कहा कि अंगहीन मनुष्य की बलि नहीं दी जा सकती। इसलिए इसे

छोड़ दिया जाए।इस प्रकार राजा शूरसेन की जान बच गई।

प्रश्न *9.* राजा ने मंत्री को कुएँ से कब निकाला?

उत्तर :- जब राजा बलि न दिए जाने से बचकर अपनी राजधानी लौट रहाथा,तब एकाएक उसके विचारों में परिवर्तन आया और उसने मंत्री सुमति को कुएँ से निकाल लिया।

प्रश्न *10.* राजा ने किससे क्षमा माँगी और क्यों ?

उत्तर :- उंगली कटी होने के कारण राजा जब बलि से बच गया तो उसे एहसास हुइ कि मंत्री ठीक कहता था कि परमात्मा जो करता है, अच्छा ही करता है।अब उसे मंत्री से किए व्यवहार पर पछतावा हो रहा था।अत: राजा ने मंत्री से क्षमा माँगी।

****

* विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखें

जीवित - मृत	भलाई - बुराई
अस्त - उदय	प्रातःकाल - सायंकाल
कृतघ्न - कृतज्ञ	शुभ - अशुभ
स्वामी - सेवक	इच्छा - अनिच्छा
रोगहीन - रोगग्रस्त	दोष - गुण

* समानार्थक शब्द लिखें

राजा	नृप, नरपति, भूप, नरेश
परमात्मा	ईश्वर, भगवान् , प्रभु ,ईश
घोड़ा	घोटक, अश्व, सैंधव, तुरंग
सेवक	दास, नौकर, अनुचर, परिचारक
रात	निशा, रात्रि, यामिनी, रजनी
जंगल	वन. कानन, अरण्य, अटवी
वृक्ष	पेड़, पादप, विटप, तरूवर, तरू
तलवार	खड्ग, कृपाण, असि, करवाल

* नए शब्द बनाओ

धर्म + आत्मा =धर्मात्मा	भला +आई =भलाई
अच्छा + आई =अच्छाई	परम +आत्मा = परमात्मा

*शब्दों का शुद्ध रूप लिखो

कृतघन - कृतघ्न	चूमुण्डा - चामुण्डा / चामुंडा
पतथर - पत्थर	डावाडोल - डांवाडोल
कुआ - कुआँ	सैनीक - सैनिक

सौजन्य :- सुनीता चोपड़ा , हिंदी शिक्षिका